Contents

अनुक्रमणिका

वक्तव्य ..... 1 से 14.

प्रथम अध्याय..... 1 से 41.

वीर रस सामाजिक संदर्भ और शास्त्रीय अनुशीलन

वीर, वीर रस की कोटियाँ और वीर रस, निष्कर्ष

रस : वीर रस, वीर रस के अवयव, वीर रस के स्थायी भाव विभाव, विभाव के भेद, आलम्बन विभाव एवं उद्दीपन विभाव अनुभाव, संचारी भाव.

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय..... 42 से 90

आधुनिक युग में वीर काव्यों की आधार

भूमि

काव्य और परिवेश का सम्बन्ध.

वीर काव्यों की सर्जन की प्रेरणा

क. आधुनिक युग का नवजागरण.

ख. सांस्कृतिक पुनर्जागरण.

ग. राष्ट्रीय आन्दोलन.

घ. आर्थिक परिस्थिति.

ङ. विदेशी आक्रमण तथा राजनैतिक चेतना.

तृतीय अध्याय ..... 91 से 160.

आधुनिक वीर काव्य और उनकी परम्परा

आधुनिक काल का अन्तर्विभाजन

पूर्ववर्ती परंपरा । भारतेन्दु और द्विवेदी युग ।

छायावाद युग । 1920 से 1936 ई० ।

प्रगतिवाद युग । 1936 से 1945 ई० ।

प्रयोगवाद । 1945 से 1965 ई० ।.

चतुर्थ अध्याय ..... 161 से 236.

प्रमुख कवि और कृतियाँ

व्यापक युग पलक के कवि और उनकी कृतियाँ

। मैथिलीशरण गुप्त, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, माखनलाल चतुर्वेदी, नवीन, सोहनलाल द्विवेदी, दिनकर, श्याम लाल गुप्त " पार्षद " ।.

छायावाद युग के कवि और उनके वीर काव्य

। जयशंकर प्रसाद, सुभद्राकुमारी चौहान, गुरु भक्त सिंह भक्त, ।

प्रगतिवादी युग के कवि और उनके वीर काव्य

। शिवमंगल सिंह सुमन, श्यामनारायण पाण्डेय, मलखान सिंह सिसौदिया, कुँवर चन्द्र प्रकाश सिंह, द्वारिका प्रसाद मिश्र,।

प्रयोगवादी युग के कवि और उनके वीर काव्य

। श्री कृष्ण सरल, आनन्दकुमार, विश्वनाथ पाठक, श्यामनारायण प्रसाद, जीवन शुक्ल, हरदयालु सिंह, लक्ष्मीनारायण मिश्र,

मोहनलाल महतो " वियोगी ", लक्ष्मी
नारायण सुधांशु, लालधर त्रिपाठी,
केदारनाथ मिश्र प्रभात, जगन्नाथ प्रसाद
" मिलिंद " ।

समग्रतया मूल्यांकन

पंचम अध्याय ..... 237 से 352.

महाकाव्य तथा वृहद् प्रबन्ध
=x=x=x=x=x=x=x=x=x=

महाकाव्य तथा वृहद् प्रबन्ध में भेद

महाकाव्य का स्वरूप

आलोच्य युग के महाकाव्य

I ऐतिहासिक महाकाव्य

क। प्राचीन ऐतिहासिक कथानक पर आधारित
महाकाव्य- विक्रमादित्य एवं अशोक

ख। मध्यकालीन कथानकों पर आधारित
हल्दीघाटी, आर्यावर्त, जौहर, छत्रसाल.

ग। समसामयिक चेतना से ग्रहीत कथानक पर
आधारित - झांसी की रानी, तात्याटोपे,
सरदार भगतसिंह,

II पौराणिक

अंगराज, रावण

III वृहद् प्रबन्ध

कृष्णायन, जयभारत

निष्कर्ष

षष्ठ अध्याय ..... 353 से 420.

खण्डकाव्य
=====xxx

क) ऐतिहासिक खण्डकाव्य

(1) मध्यकालीन ऐतिहासिक कथानक पर आधारित खण्डकाव्य- विकट भट, सिद्धराज, सिंहद्वार, गोरावध, निष्कर्ष

ख) समसामयिक राष्ट्रीय चेतना से ग्रहीत कथानक पर आधारित - प्राणार्पण, स्वतंत्रता की बलिवेदी, सूली और शान्ति.

(1) पौराणिक कथानकों पर आधारित खण्डकाव्य

- महाभारत से ग्रहीत कथानक पर आधारित खण्डकाव्य- रश्मिरथी, कर्ण, सेनापति कर्ण, प्रण भंग और युद्ध.

- रामायण से ग्रहीत कथानक पर आधारित खण्डकाव्य- तुमुल एवं जयहनुमान.

- शक्ति की प्रतीक दुर्गा पर आधारित शक्ति एवं रणचण्डी.

सप्तम अध्याय...... .... 421 से 482

मुक्तक संग्रह

(क) सांस्कृतिक पुनर्जागरण एवं नवजागरण की चेतना से ग्रहीत मुक्तक संग्रह

स्वदेश संगीत, मंगलघट, रेणुका, अनामिका, शम्पा, इतिहास के आंसू, प्रतिपदा.

(ख) क्रांति, बलिदान, राष्ट्रप्रेम एवं देशप्रेम की चेतना से ग्रहीत मुक्तक संग्रह.

मुकुल, हुँकार, कुंकुम, भैरवी, पूजा गीत, हिमकिरीटिनी, प्रभाती, बंगाल के प्रति और

अन्य कविताएँ, सामवेदी, बलिपथ के गीत, माता, चेतना, विश्वास बढ़ता ही गया, समर्पण, युगचरण, परशुराम की प्रतीक्षा, झण्डा ऊँचा रहे हमारा.

(ग) इतर काव्य रचनाएँ -

वीर सतसई.

समग्र मूल्यांकन.

अष्टम अध्याय .....483 से 505

इतर निबद्ध काव्य
=x=x=x=x=x=x

क) आख्यानक निबद्ध रचनएँ

ख) विचार सूत्र प्रधान रचनाएँ

नवम् अध्याय ..... 506 से 567.

कला सौष्टव
=-=-=-=-=

भाषा,

मुहावरे,

अलंकार,

बिम्ब,

प्रतीक,

छन्द एवं शैली.

दशम् अध्याय..... 568 से 576.

उपसंहार
=======

परिशिष्ट .....

पत्र

विवेच्य पुस्तकें.

संदर्भ ग्रंथ की सूची.

पत्रिकाएँ